खबर संक्षेप

चोरी की बाइक बरामद, आरोपित को पकड़ा

कटनी। मोटर साइकिल चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही चौकी प्रभारी उ.नि. प्रियंका राजपूत के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार 9 जून को संजय दुबे निवासी ग्राम मतवारी ने चौकी में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 6 जून को मो.सा. क्रं. एम.पी. 21 एम.ई. 9164 से पीरबाबा हनुमान जी के मंदिर आया था। मंदिर के पास से मेरी मो.सा. को कोई अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 303(2) बी.एन.एस पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । दौरान विवेचना चोरी गई बाइक एवं आरोपी की तलाश की गई। 24 घन्टे के अन्दर आरोपी के कब्जे से बाइक बरामद की गई। आरोपी महेन्द्र चौधरी पिता मंगीराम चौधरी 23 वर्ष निवासी ग्राम पडुआ थाना माधवनगर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे न्यायालय कटनी पेश किया गया। कार्यवाही में स.उ.नि. शशिभूषण सिंह, आर. वीरेन्द्र सिंह सैनिक अक्षय पान्डेय की भूमिका रही।

भीषण गर्मी को देखते हुए बच्चों का अवकाश एक सप्ताह बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र में मौसम के लेट होने के कारण नौतपा की तपिश का प्रभाव वर्तमान में दिखायी दे रहा है । ग्रामीण तो ग्रामीण शहरी क्षेत्रों में भी विद्युत कनेक्शन एवं हैण्डपंप तो अधिकांश विद्यालय में हैं, परन्तु न तो पूरे समय विद्युत का प्रवाह रहता है और न ही हैण्डपंपों में पानी है ।

इन स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय शिक्षक संगठन के प्रान्ताध्यक्ष राकेश दुबे ने संचालक लोकशिक्षण संचालनालय गौतम नगर भोपाल मध्यप्रदेश सहित प्रदेश के समस्त कलेक्टरों को पत्र लिख कर यह अनुरोध किया है कि यह विषम स्थिति बच्चों के लिए कष्टदायक तो होगी ही, उनकी उपस्थिति भी प्रभावित होगी और बिना बच्चों के इस भीषण गर्मी में पानी और बिजली की अनुपलब्धता के साथ शिक्षकों को सारा दिन विद्यालय में बैठाये रखना भी औचित्यहीन है । वर्तमान में एफएलएन सहित अनेक प्रशिक्षण भी चल रहे हैं, जिससे भी पूरे शिक्षक विद्यालय में नहीं पहुंच पा रहे हैं ।

संगठन ने कटनी शहर के माध्यमिक शाला पहरूआ का उदाहरण देते हुए बताया कि शहरी क्षेत्र का विद्यालय होने के बावजूद भी वहां शिक्षकों को बॉटल का पानी खरीद कर पीना पड रहा है या फिर सडक पार करके हैण्डपंप से पानी लेने जाते हैं, शिक्षक तो फिर भी यह कर सकते हैं, परन्तु तेज वाहनों के चलते जब विद्यालय में पानी के अभाव के कारण बच्चे सडक पार करके पानी लेने जाएंगे, तब यह सीधे-सीधे दुर्घटना को आमंत्रित करने वाला होगा।और यह केवल उदाहरण मात्र है, यह स्थिति अनेक विद्यालयों में है, ग्रामीण विद्यालयों में स्थिति और भी ज्यादा कष्टदायक है।

तीन स्थलों पर 12 जून से 30 जुलाई तक रहेगा वन-वे

कटनी। शासन निर्देशों के परिपालन में नगर पालिक निगम कटनी क्षेत्रातर्गत विभिन्न स्थलों में सीवर लाईन विस्तार का कार्य प्रगतिरत है। नगर निगम कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर मार्ग पर सीवर लाईन विस्तार के कारण तीन स्थलों पर गुरूवार 12 जून से 30 जुलाई तक मार्ग परिवर्तित रहेगा। जिसके चलते जबलपुर मार्ग के तीन स्थलों में उक्त तिथियों के बीच वन-वे से आवागमन किया जायेगा। प्रभारी कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा द्वारा दी गई जानकारी अनुसार डन कॉलोनी से कटाएघाट गेट तकं 398.3 मीटर लंबाई एवं 6.15 मीटर गहराई पर 500 एमएम की पाईपलाईन कर विस्तार कार्य किया जाना है। इसी प्रकार बरगवां मित्तल मॉल के सामने 425.8 मीटर लंबी एवं 6.25 मीटर गहराई पर 400 एमएम डाया की पाईपलाईन विस्तार किया जाना है।

खोहर अतरहार में बकरियां चराने गये चरवाहों पर जंगली सुअर का हमलाः एक की मौत; चार घायल

सतना।

कोटर थाना क्षेत्र अंतर्गत खोहर अतरहार में गुरुवार सुबह करीबन 5 बजे जंगली सुअर ने चार लोगों पर हमला कर दिया,जिसमें एक व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गयी,जबकि तीन अन्य घायल हो गये।

मृतक ददोली पाल पिता लाला पाल कोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मौहार का रहने वाला है। जंगली सुअर के हमले में तीन लोग बाबूलाल पाल पिता रामकुमार पाल 26 वर्ष ग्राम मौहार थाना कोठी,शकुंतला सोंधिया पिता मुन्ना सोंधिया 50 वर्ष ग्राम रखौदा थाना कोटर एवं देवेन्द्र पटेल पिता सियाशरण पटेल 30 वर्ष ग्राम घटबेलवा थाना रामपुर बाघेलान घायल हो गए हैं जिनका इलाज किया जा रहा है। बताया गया है कि ये सभी लोग नदी किनारे अपनी भेंड़ बकरियों को चराने और पानी पिलाने ले गये थे।जिस समय बकरियां नदी के पास चर रही थीं,पाल परिवार के सदस्यों का ध्यान उस ओर था,इसी दौरान अचानक एक खूंखार जंगली सुअर दौड़ता हुआ आया और चारों व्यक्तियों पर एक-एक करके प्राण घातक हमला कर दिया। जिसके कारण गंभीर रूप से घायल ददोली लहूलुहान होकर घटना स्थल पर ही गिर गया।कुछ देर तक छटपटाने के बाद उसकी मौत हो गयी। वन विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक भीषण गर्मी पडने के कारण वन्य प्राणी पानी और छाया की तलाश में जंगल में इधर-उधर भटकते हुए आसपास के ग्रामीण इलाकों की बस्तियों के पास से गुजर सकते हैं। जंगली सुअर द्वारा चरवाहों पर हमला किये जाने की जानकारी मिलने पर रेंजर, बीट गार्ड सहित अन्य अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया है। वन विभाग का अमला जंगली सुअर को पकडने के लिये भेजा जा चुका है। जरूरत पडने पर ट्रयूलाईजर का उपयोग करके इस खूंखार जानवर को पकड़ा जायेगा। इसके बाद उसे सुदूर जंगल में भेजने की कार्यवाही की जायेगी।

गांव में दहशत का माहौल

उक्त घटना की खबर खोहर अतरहार क्षेत्र सहित आसपास के कई ग्रामो में फैल गयी,जिसके चलते ग्रामीण जनों ने दहशत का माहौल है। ग्रामीण अपनी सुरक्षा के प्रति काफी चिंतित बताये गये हैं। लोग दिन में भी अपने घरों की खिड़की-दरवाजे बंद करके बैठे हुए हैं। गांव में निकलने के लिये हाथ में लाठियां लेकर दो-चार लोग एक साथ निकल रहे हैं।

शासकीय अस्पताल में घायलों का चल रहा उपचार

उक्त घटना की जानकारी मिलने पर कोटर थाना पुलिस एवं वन विभाग के रेंजर,डिप्टी रेंजर व अन्य अधिकारी मौकेपर पहुंचे। अधिकारियों द्वारा जंगली सुअर के हमले में मृत ददोली पाल का शव शासकीय चिकित्सालय भिजवाया गया। तीनों घायलों को पुलिस द्वारा एबुलेंस से अस्पताल भिजवाया गया। हासिल जानकारी के मुताबिक घायलों का उपचार डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गंभीर रूप से घायल तीनों लोगों को बेहतर उपचार के लिये जिला चिकित्सालय भेजे जाने की तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस में जिला अध्यक्ष के लिए रायशुमारी का दौर

प्रभारी द्वय दिल्ली से अनिल चौधरी व जबलपुर से पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने ली बैठक

सतना। कांग्रेस में जिला अध्यक्ष के लिए रायशुमारी का दौर शुरू हो गया है।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पार्टी को देश भर में सक्रिय एवं ऊर्जावान,समर्पित एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं का संगठन खड़ा करने के लिये सृजन अभियान चलाया जा रहा है। कांग्रेस सांसद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा इस अभियान के संचालन हेतु म.प्र. प्रभारी एआईसीसी पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी, पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली कांग्रेस कमेटी तथा पूर्व विधायक जबलपुर को सतना भेजा गया है। सृजन अभियान प्रभारियों द्वारा जयस्तंभ चौक स्थित कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रभारियों द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी,ब्लाक कांग्रेस कमेटी एवं अन्य संगठनों के प्रभारियों की बैठक ली गयी। जिसमें प्रभारी द्वय ने कांग्रेस नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी को और अधिक सुदृढ़ तथा सक्रिय बनाने हेतु वे अपने-अपने सुझाव बेझिझक होकर हमें दें। प्रभारी द्वय अनिल कुमार चौधरी एवं विनय सक्सेना द्वारा म.प्र. में चलाये जा रहे सृजन अभियान की जानकारी पदाधिकारियों को देते हुए कहा गया कि कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की मंशा है कि देश का सबसे पुराना पार्टी संगठन और अधिक मजबूत होने के साथ जनाकांक्षाओं के अनुकूल काम करने वाला और जनता आवाज बनकर उभरकर सामने आये। उन्होंने बताया कि कांग्रेस को नये संगठन के रूप में खड़ा करने का निर्देश अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे द्वारा दिया गया है। उसी अनुपालन में वे सतना जिले में कांग्रेस नेताओं से फीडबैक लिया।

सर्किट हाउस में नेताओं से की वन-टू-वन चर्चा

नेता द्वय ने सर्किट हाउस में जिले के कांग्रेस नेताओं वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों से मुलाकात की। साथ ही उनसे पार्टी के संबंध में फीडबैक लिया। पार्टी में सुधार एवं मजबूती लाने के लिये सुझाव भी लिये। कांग्रेस पदाधिकारी प्रदीप समदरिया के अनुसार सृजन अभियान के प्रभारी द्वय आज रैगांव विधानसभा क्षेत्र के कोठी एवं सोहावल ब्लाक में कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी राय लेंगे। इसके बाद क्रमशः नागौद, रामपुर बाघेलान, चित्रकूट के कार्यकर्ताओं से भी रूबरू होंगे।

दुष्कर्म का आरोपी पुलिस हिरासत से फरार

रीवा के बीड़ा में ग्रामीणों ने पुलिस को घेरा

सतना। दुष्कर्म का एक आरोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया। घटना 10 जून की है। इसकी जानकारी दो दिनों बाद मिली। दरअसल सभापुर थाने के प्रधान आरक्षक सुरेश सिंह बैश और आरक्षक पप्पू यादव आरोपी पवन शर्मा को सीधी जिले के चुरहट से सभापुर थाने ला रहे थे। बीड़ा सेमरिया के पास एक बाइक सवार पुलिस वाहन के सामने आ गया। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने पुलिस कर्मियों को घेर लिया और उनसे विवाद करने लगे। इस माहौल का फायदा उठाकर आरोपी पवन शर्मा फरार हो गया। एसडीओपी रोहित राठौर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही बीड़ा पुलिस और डायल 100 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया और प्रधान आरक्षक को सेमरिया भेज दिया। सेमरिया थाने में फरारी का केस दर्ज किया गया है। मामले की शुरुआत 10 जून को हुई, जब एक महिला ने पिपरी टोला निवासी पवन शर्मा पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। सभापुर थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपी का मोबाइल नंबर ट्रेस किया। चुरहट थाना पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़ा गया था। आरोपी की तलाश के लिए दो टीमें लगाई गई हैं।

ससुराल में छिपा था आरोपी

आरोपी पवन शर्मा अपनी ससुराल चुरहट भाग गया था। अब आरोपी पर न केवल दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं अब उसके खिलाफ पुलिस अभिरक्षा से फरार होने का प्रकरण भी पंजीबद्ध हो चुका है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीम हर संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। हालांकि अभी तक उसे पकड़ा नहीं जा सका।

मेयर-इन-काउंसिल की बैठक में सीवर लाइन का काम बारिश के पहले पूरा करने पर दिया गया जोर

सतना। नगर पालिक निगम,सतना के मेयर-इन-काउंसिल की बैठक निगम कार्यालय में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। निगम क्षेत्रान्तर्गत सीवर लाइन लाइन एवं क्षतिग्रस्त सड़कों को वर्षा प्रारम्भ होने के पूर्व निर्माण कराये जाने की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए जोन क्रमांक-03 के वार्ड क्रमांक 05, 06, 07, 08, 09, 10, 11 में सड़क निर्माण कार्य के लिए कार्यपालन यंत्री की अनुशंसा के कम में राशि रूपये 1,57,62,000 की प्रशासकीय वित्तीय स्वीकृति के साथ अल्प कालिक निविदा (15 दिवस) आमंत्रित किये जाने सम्बन्धी प्रस्तुत कार्यालयीन प्रस्ताव की स्वीकृति प्रदान की गई। वार्ड क्रमांक-02 सतना-पन्ना मार्ग उमरी गली नम्बर-01 के पास सड़क के बायी तरफ वर्षा जल की निकासी के लिए ड्यूम पाइप कलवर्ट कार्य के लिए 16.91,000 रुपए की प्रशासकीय वित्तीय स्वीकृति के साथ अल्प कालिक निविदा आमंत्रित किये जाने सम्बन्धी प्रस्तुत कार्यालयीन प्रस्ताव की स्वीकृति प्रदान की गई। वार्ड-01 से 45 तक रोड रेस्टोरेशन एवं विदुमिन पैचिंग कार्य हेतु आमंत्रित निविदा में भाग लेने वाले 02 निविदाकारों में से प्राप्त न्यूनतम दर की स्वीकृति प्रदान की गई।

10 एम एल डी एवं 40 एम एल डी डब्ल्यू आईपी वाटर ट्रीटमेन्ट प्लांट का उन्नयन कार्य को पूर्ण किये जाने हेतु संविदाकार मेसर्स कृष्णा कास्ट्रक्सन कम्पनी को तक की समपावृद्धि की स्वीकृति प्रदान की गई।स्मार्ट सिटी मिशन,निलेप कार्य अन्तर्गत धवारी स्टेडियम का पुनर्विकास के कार्य हेतु प्रस्तुत बीओ क्यू में राशि रूपये 9.64 प्रतिशत अतिरिक्त स्वीकृति के साथ बीओक्यू की स्वीकृति प्रदान की गई। सीवरेज प्रोजेक्ट अमृत 2.0 परियोजना के सीवरेज घटक अंतर्गत सीवर साइन सेइंग कार्य हेतु जारी निविदा (द्वितीय काल) में अनुमोदन के लिए प्रेषित पत्र के क्रम में राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक सीवरेज घटक हेतु 1274.05 लाख (16.20% अधिक SOR) को स्वीकृति प्रदान की गई।

मेवर इन काउसिंल की बैठक में जलप्रदाय आख्खा अन्तर्गत विभिन्न कार्यों में नियोजित कुल 133 मस्टर श्रमिकों,वर्कआप आख्खा में नियोजित कुल 15 मस्टर श्रमिकों,अतिक्रमण आख्खा अन्तर्गत विभिन्न कार्यों में नियोजित कुल 40 मस्टर श्रमिकी,निगम स्वामित्य के विभिन्न पार्कों में नियोजित कुल 46 मस्टर श्रमिकों,स्थापना आत्रा में नियोजित 01 मस्टर श्रमिक,निर्माण शाखा में नियोजित कुप्त 05 मस्टर श्रमिकों,प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा अन्तर्गत कार्यालयीन कार्यों में नियोजित कुल 10 मस्टर श्रमिकों,नगर निगम की विभिन्न आखाओं में नियोजित कुल 19 मस्टर श्रमिकों (कम्प्यूटर ऑपरेटर),योजना शाखा में कार्यालयीन कार्य व्यबस्था हेतु नियोजित कुल 27 मस्टर श्रमिकी,निगम द्वारा संचालित वाचनालयों में कार्यालयीन कार्यों में नियोजित कुल कुल-04 मस्टर श्रमिकों,कार्यालय अधीक्षक आखा में कार्यालयीन कार्यों में नियोजित कुल 43 मस्टर श्रमिकों,सम्पत्तिकर आख्खा में कार्यालयीन कार्यों में नियोजित कुल 17 मस्टर श्रमिकों,फायर आखा में नियोजित कुल 31 मस्टर श्रमिकों के अवधिवृद्धि के प्रस्ताव की स्वीकृत प्रदान की गई। बैठक में महापौर द्वारा सभी अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि किए जा विकास कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। साथ ही साथ बनाई जा रही सड़कों पर कार्य समाप्ति उपरान्त निर्माण सामग्री एवं मिट्टी इत्यादि हटाकर,साफ-स्वच्छ कराया जाए। इसी तरह नाली निर्माण के उपरान्त नाती के अगल-बगल पड़ी निर्माण सामग्री एवं गिट्टी को हटाया जाए। इस कार्य को सुनिश्चित कराने के लिए सभी अभियंता पूर्णतः उत्तरदायी होगे। मेयर इन काउसिंल की बैठक में एस.के.सिंह,आयुक्त प्रतिनिधि,मेयर-इन-काउंसिल सदस्य गोपी गेलानी,श्रीमती मनीषा सिंह,श्रीमती प्राची कुशवाहा,श्रीमती रानी बालकृष्ण शुक्ला,अभिषेक उपस्थित रहे।

परीक्षा देने आए बिहार के युवक की हत्या

सिर पर पत्थर से हमला, दोनों पैर गमछे से बंधे मिले, नहर के किनारे मिली लाश

सतना। डीएलएड की परीक्षा देने आए 29 साल के युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बिहार के मधेपुरा जिले निवासी पवन कुमार के रूप में हुई है। उसका शव बुधवार को खम्हरिया पयसियान स्थित नहर किनारे मिला था,जिसकी पहचान गुरुवार को की गई। पुलिस ने बताया कि शव के दोनों पैर गमछे से बंधे हुए थे और सिर पर पत्थर से हमला किया गया था। घटनास्थल पर खून के छींटे और एक खून से सना पत्थर मिला है,जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वारदात स्थल पर ही उसकी हत्या की गई।

22 मई को सतना आया था युवक

मृतक पवन कुमार 22 मई को अपने साथी अभिषेक सिंह के साथ परीक्षा देने सतना आया था। दोनों धवारी इलाके में किराए के कमरे में रह रहे थे। 11 जून को उनका आखिरी पेपर था। सुबह करीब 7 बजे वे एमएलबी स्कूल परीक्षा केंद्र पहुंचे,लेकिन पवन केंद्र के अंदर नहीं गया। इसके बाद वो लापता हो गया।

साथी ने खोजबीन की, न मिलने पर गुमशुदगी दर्ज कराई

अभिषेक ने बताया कि पवन परीक्षा नहीं दे सका। परीक्षा के बाद वो कमरे पर भी गया,लेकिन वहां भी पवन नहीं मिला। इसके बाद अभिषेक ने सिटी कोतवाली में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

फोटो वायरल कर पुलिस ने की पहचान

बुधवार को नहर के पास शव मिलने के बाद पुलिस ने सोशल मीडिया पर मृतक की फोटो वायरल की। गुरुवार को जब पुलिस ने अभिषेक को शव दिखाया,तो उसने मृतक की पहचान पवन कुमार के रूप में की। पुलिस का कहना है कि वारदात को सुबह 7 से साढ़े 9 बजे के बीच अंजाम दिया गया है। ऐसे में एमएलबी स्कूल से लेकर घटना स्थल तक के रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हत्या के पीछे दो से तीन लोगों के शामिल होने की आशंका है।

फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

वैज्ञानिक डॉ.महेंद्र सिंह और उनकी फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर भौतिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। आरोपियों का फिलहाल कोई सुराग नहीं मिला है।

दिन और रात दोनों गर्म, पारा 43.0 पर पहुंचा

सतना।

मौसम का तेवर इस समय पूरे चरम पर है दिन और रात भीषण गर्मी पड़ रही है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 43.02 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। हालत यह है कि गर्मी के साथ-साथ बिजली गुल होने पर भी लोगों की मुश्किल है बढ़ती जा रही हैं। इस बार नौतपा में ज्यादा गर्मी नहीं पड़ी,लेकिन अब तापमान तेजी से बढ़ रहा है।मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक गुरुवार को न्यूनतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। बुधवार को सतना का तापमान 42.4 डिग्री पहुंच गया जो संभाग में सबसे ज्यादा रहा। वहीं,रात का तापमान 31.5 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार-बुधवार की रात सीजन की सबसे गर्म रात रही। मौसम विभाग के अनुसार 25 मई से 2 जून के बीच के नौतपा में केवल 28 मई को पारा 40 डिग्री के पार गया था। बाकी दिनों में अपेक्षाकृत कम गर्मी दर्ज की गई। इसके बावजूद जून की शुरुआत से अब तापमान में फिर तेजी आई है। गर्मी के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अप्रैल से जून तक आमतौर पर 50 दिन ऐसे होते हैं जब पारा 40 डिग्री के आसपास या उससे ऊपर रहता है। लेकिन इस बार अप्रैल-मई की अवधि में सिर्फ 33 दिन ही ऐसा हुआ। यानी गर्मी के तीखे दिनों में करीब 33% की गिरावट दर्ज की गई है। परंपरागत रूप से अप्रैल में 10 दिन,मई में पूरे 31 दिन और जून में 9 दिन पारा 40 डिग्री के पार चला जाता था। रीवा संभाग में सतना सबसे गर्म बुधवार को रीवा संभाग के चारों जिलों में सबसे अधिक गर्म सतना रहा। यहां अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री रहा। सीधी में 42.2 डिग्री,रीवा में 42 डिग्री और सिंगरौली में 41 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार-बुधवार की रात अब तक की सबसे गर्म रात रही। न्यूनतम तापमान 31.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया,जो सामान्य से काफी अधिक है। इससे पहले 14 मई को रात का न्यूनतम तापमान 30.3 डिग्री था। लोग धूप से बचने के लिए चेहरे को ढक कर घर से बाहर निकल रहे हैं। नमी का स्तर भी सुबह हवा में नमी 46 फीसदी और शाम को घटकर 31 फीसदी रही। इससे गर्म हवाओं का असर और बढ़ गया है। फिलहाल मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राहत की संभावना नहीं जताई है।

खबर संक्षेप

श्रेया ग्रुप ऑफ कम्पनी से वापिस पैसे दिलाने की कार्यवाही की मांग

पन्ना। जिले के अजयगढ़ क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम परनियापुर निवासी विजयपाल सिंह पिता श्री राजू सिंह ने श्रेया ग्रुप ऑफ कम्पनी 22 दिसंबर 2023 मे नायक एम. हिमेन्द्र के माध्यम से आठ लाख रूपये लगाया था जिसको लेकर आज पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पैसे वापिस दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में लेख है कि मैं विजयपाल सिंह मैने श्रेया ग्रुप ऑफ कम्पनी 22 दिसंबर 2023 मे नायक एम. हिमेन्द्र के माध्यम से आठ लाख रूपये लगाया था। जिसमे श्रेया ग्रुप ऑफ कम्पनी एवं नायक एम. हिमेन्द्र के द्वारा मुझे प्लान पीपीबी एवं 11: बताया गया। जिसमें प्लान के मुताबिक 1 लाख का 11000 रूपये महीना दिया जायेगा जिसमे नायक एम. हिमेन्द्र एवं कम्पनी द्वारा बोला गया। एम. हिमेन्द्र के आई. मोबाईल एप के माध्यम से उसके खाते में 800000 रूपयें भेजा गया। ज्ञापन में लेख है कि मेरा 8 लाख का 88000 रूपये पर महीना बन रहा है जिसमे कम्पनी ने बताया आपको 18 महीने तक 88000 रूपये आपके खाते में पैसा आयगा एवं पहला महीना जो स्टार्ट से शुरू होगा उसमे आपका 44000 रूपये दिया जायेगा इसके बाद आपके खाते में 88000 रूपये 18 महीने तक हर महीने आता रहेगा जिसमे दिये गये प्लान के तहत पैसा 1628000 रूपये बन रहा है जिसमे मरे खाते मे पहली पेमेन्ट 44000 रूपये एवं दूसरी पेमेन्ट 88000 रूपये तीसरी पेमेन्ट 88000 रूपये दी गई जो तीनो मिला कर लगभग 2,20000 रूपये कम्पनी द्वारा दिया गया है। कम्पनी के चेयर मेन हेमन्त कुमार राय एवं एम.हिमेन्द्र से मेरा रूका पेमेन्ट एक साथ दिलवाने की मांग की है।

लापरवाह चालक को एक साल का सश्रम कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरियापान

लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मारकर दो लोगों चोटिल करने वाले एक प्रकरण में सुनवाई करते हुए न्यायायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ढीमरखेड़ा पूर्वी तिवारी ने आरोपी को एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। प्रकरण पर डेढ़ हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।प्रकरण में पैरवी एडीपीओ विनोद सिंह लोधी ने किया।प्रकरण करीब 8 साल पुराना है। एडीपीओ विनोद सिंह लोधी ने बताया कि 15 फरवरी 2017 को शाम करीब सवा आठ बजे उमरियापान थाना क्षेत्र के मूलचंद लोधी और रामगोपाल लोधी दोनों साइकिल से डूंडी गांव जा रहे थे। स्लीमनाबाद रोड़ में पंप हाउस के पास मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 21 एमएफ 8873 से आ रहे उमरियापान निवासी रत्नेश पिता गरिजानंदन चौरसिया (42)ने सामने से टक्कर मार दी। घटना में दोनों को चोटों पहुचीं। पीड़ितों ने घटना की शिकायत उमरियापान पुलिस थाने में की थी।

उच्च कीमतों वाली फसलों को प्रोत्साहित करें- कृषि उत्पादन आयुक्त

किसानों को मूंगफली, उड़द और अरहर के उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराएं

कृषि उत्पादन आयुक्त ने की सागर संभाग में कृषि आदानों की समीक्षा

पन्ना

कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल ने आज संभागीय मुख्यालय सागर में रबी 2025 की समीक्षा एवं खरीफ 2025 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए आयोजित संभाग स्तरीय बैठक में कृषि आदानों की समीक्षा करते हुए कहा कि सागर संभाग में उच्च कीमतों वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया जाए और इसका रकबा भी बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सागर संभाग में उद्यानिकी फसलों का रकबा कम है, इसे बढाने की आवश्यकता है। इसके लिए सागर संभाग के सभी कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, कृषि विभाग के अधिकारी, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी निरंतर प्रयास करें।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि उच्च कीमत वाली फसलों और उद्यानिकी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित और जागरुक करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे इस दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कहा कि नए जनरेशन के युवा किसानों को कृषि की नई सोच और तकनीक के प्रति भी जागरुक करें। युवा किसानों का कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी सतत रूप से मार्गदर्शन करें। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सागर संभाग में किसानों को मूंगफली, उड़द और अरहर की खेती के लिए प्रोत्साहित करें। किसानों को इन फसलों की खेती करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी करें तथा किसानों को मूंगफली, उड़द और अरहर के उच्च गुणवत्ता के बीज भी समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अरहर की पूसा-16 किस्म को सागर संभाग में प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि अरहर की पूसा-16 एक अच्छी किस्म है। यह अरहर की किस्म किसानों के खेतों तक पहुंचना चाहिए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने सागर संभाग में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के निर्देश देते हुए कहा कि संभाग के किसानों को हैप्पी सीडर, रोटावेटर एवं अन्य कृषि यंत्रों के संबंध में जानकारी दिलाएं तथा खेती में इनके उपयोग को प्रोत्साहित करें। उन्होंने सागर संभाग में कृषि यंत्रों की कमी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि कार्य में कृषि यंत्रों का उपयोग प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा सागर संभाग में कृषि यंत्रों की प्रगति नगण्य होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई तथा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आगामी दो महीनों में कृषि यंत्रों का विक्रय लक्ष्य हासिल करें अन्यथा संबंधित अधिकारियों की दो-दो वेतनवृद्धियां रोकी जाएंगी। बैठक में आगामी खरीफ सीजन में किसानों को खाद और बीज वितरण की जिलेवार समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सागर संभाग के सभी जिलों में खाद और बीज का समुचित भण्डारण करना सुनिश्चित किया जाए। किसानों को खाद और बीज की कमी न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी खाद बीज वितरण केन्द्रों में किसानों के लिए स्वच्छ पेयजल, कुर्सियां, छायादार स्थान आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए

कि खाद बीज वितरण केन्द्रों में किसानों को किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण प्रीति मैथिल ने कहा कि उद्यानिकी विभाग किसानों को सतत मार्गदर्शन कर रहा है तथा प्रदेश में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में कमिश्नर सागर संभाग डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि सागर संभाग में टमाटर की अच्छी खेती होती है, किन्तु फूड प्रोसेसिंग यूनिट के अभाव में कभी-कभी किसानों के लिए टमाटर अनुपयोगी साबित होते हैं। कमिश्नर ने सुझाव दिया कि सागर संभाग में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किया जाए। बैठक में उपस्थित कलेक्टर पन्ना सुरेश कुमार एवं जिपं सीईओ उमराव सिंह मरावी द्वारा भी कृषि और उद्यानिकी क्षेत्र में किए गए नवाचारों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग अनुपम राजन, प्रबंध संचालक मार्कफेड आलोक सिंह, संचालक कृषि विभाग अजय गुप्ता, सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एम. सेल्वेन्द्रन भी उपस्थित रहे।

प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के गठन में उदासीनता पर कृषि उत्पादन आयुक्त हुए नाराज

एपीसी अशोक वर्णवाल ने सागर संभाग में लगभग 128 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के गठन में उदासीनता और लापरवाही बरतने पर सहकारिता विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सागर संभाग में 23 जून तक 128 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का गठन किया जाना था, जिसकी प्रगति अभी तक नगण्य है। यह स्थिति काफी निराशाजनक है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने जवाबदेह अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के गठन में उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में सहकारिता विभाग के कार्यों की जिलेवार समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि सागर संभाग की सभी सहकारी समितियों का ऑडिट प्राथमिकता के साथ कराएं। उन्होंने कहा कि सागर और पन्ना जिले की सहकारी समितियों के ऑडिट की स्थिति ठीक नहीं है, इनमें सुधार लाया जाए।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने सहकारिता विभाग द्वारा संचालित जन औषधि केन्द्रों को और अधिक आकर्षक बनाए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से जनमानस को उचित दरों पर दवाईयां उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा मंडी बोर्ड के कार्यों की भी जिलेवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि मंडियों में किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

वी मित्र एप पर विद्युत अनियमितता की शिकायत पर मिलेगा 50 हजार राशि तक का ईनाम

पन्ना।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा मोबाइल एप्लीकेशन विद्युत मित्र विकसित किया गया है। यह एप कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट एवं गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। वी मित्र एप के माध्यम से आमजन अब स्वयं बिजली चोरी, मीटर में छेड़छाड़, अवैध विद्युत कनेक्शन, अवैध पावर एक्सटेंशन, एक ही स्थान पर एक से अधिक बिजली कनेक्शन, बिजली कनेक्शन का अवैध रूप से विस्तार और अधिक लोड का उपयोग करने वाले व्यक्तियों की शिकायत कर सकते हैं। इस एप में शिकायतों की लाइव मॉनीटिरिंग भी की जा सकती है।

विद्युत कंपनी के कार्यपालन अभियंता अमितेश मिश्रा ने बताया कि वी मित्र एप जनता का ऑडिट, जनता के द्वारा, जनता के लिए सिद्धांत पर कार्य करता है। वी मित्र एप डाउनलोड कर शिकायत वाले बिजली उपभोक्ता का नंबर दर्ज करना होगा। इसके उपरांत अनियमितता के प्रकार का चयन कर व फोटो अपलोड कर रिपोर्ट सबमिट करना होगी। नंबर उपलब्ध नहीं होने पर एप स्वचलित रूप से उपयोगकर्ता के वर्तमान स्थान की लोकेशन कैप्चर करेगा। यहां भी फोटो अपलोड करना आवश्यक है। शिकायकर्ता की शिकायत पर कंपनी की सतर्कता जांच टीम संबंधित स्थल पर पहुंचकर जांच करेगी और शिकायत सही पाए जाने पर ईनाम की राशि सीधे शिकायतकर्ता द्वारा लिंक किए गए बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। यह राशि अधिकतम 50 हजार रूपए तक निर्धारित है। विद्युत अनियमितता की शिकायत करने वाले शिकायतकर्ता की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

समाज सुधार की भावना से व्यक्ति महान बनता है जो भावना कबीर साहेब में रही

समाज को जाग्रत करने और जागरूक बनाने वाला ही धनी

कबीर का उपदेश शब्द ही शास्त्र है

पन्ना।

जिले की अजयगढ़ तहसील के अंतर्गत ग्राम गुछारा में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कबीर समाज विकास समिति के तत्वाधान में कबीर जयंती के अवसर पर 11 जून, 2025 को सायं 05 बजे से सद्गुरू कबीर साहेब की 627 वीं जयंती का कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लक्ष्मी नारायण चिरोलया, अध्यक्ष डॉ. रमेश वर्मा, महिला प्रकोष्ठ से मुख्य अतिथि राजा बेटी, विशिष्ट अतिथियों में प्रमोद वर्मा पत्रकार, आशीष वर्मा, विश्राम वर्मा, कमलेश वर्मा, प्रबंधक रामकिशोर अहिरवार, मिशनरी जेपी अहिरवार, शिक्षक रामप्रकाश अहिरवार, राम सोनी, अशोक वर्मा, राजकुमार वर्मा, कल्लू प्रसाद कोरी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सबसे पहले दीप ज्योति और मोमबत्तियां प्रज्वलित कर बुद्ध, कबीर और बाबा साहेब के चित्रों की आरती की गई, माल्यार्पण किया गया, निशान ध्वज लगाया गया। उसके बाद सभी अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। वक्ताओं में प्रमोद कुमार ने शिक्षा पर जोर दिया। कमलेश कुमार ने संगठन की बात बताई। गप्पू प्रसाद जी ने कबीर साहेब के संबंध में बहुत गहरी जानकारी प्रस्तुत की। वरिष्ठ साहित्यकार, अधिमान्य पत्रकार, प्रसिद्ध कवि, समाजसेवी श्री लक्ष्मी नारायण चिरोलया ने काव्य और शानदार वक्तव्य प्रस्तुत कर सबको प्रभावित किया। इस अवसर पर चिरोलया ने बोलते कहा कि कबीर साहेब धनवान नहीं थे, श्रम और साधना के पुजारी थे, उन्होंने अपनी अमृतमय वाणी के माध्यम से संसार में अपना नाम रोशन किया। आगे चिरोलया ने कहा समाज सुधार की भावना से व्यक्ति महान बनता है जो भावना कबीर साहेब में रही। कबीर का उपदेश शब्द ही शास्त्र है। समाज को जाग्रत करने और जागरूक बनाने वाला ही धनी है। कार्यक्रम के अध्यक्ष आर.के. वर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन आर. के. अहिरवार जमीर पूर्व प्राचार्य ने किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम शाम अंधेरे तक चलता रहा इसके बाद सभी अतिथियों ने प्रस्थान किया।

जन शिक्षा केंद्रों के शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

अमानगंज

भारत सरकार की "नव भारत साक्षरता का कार्यक्रम" हुआ संपन्न नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप चलाया जा रहा कार्यक्रम जिसमें बालक अमानगंज, कन्या अमानगंज ,द्वारी, पगरा, कामताना पांच जन शिक्षा केंद्रों के शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण "नव साक्षरता नव भारत कार्यक्रम" के अंतर्गत ट्रेनिंग दी गई जिसका उद्देश्य केवल असाक्षरता मिटाना नहीं, बल्कि 15+ उम्र के सभी नागरिकों को जीवनगुणवत्ता, आत्मविश्वास और अवसरों से लैस करना है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अगले कुछ वर्षों में इनके प्रभाव से भारत के साक्षरता दर, कौशल-आधारित रोजगार और स्थायी शिक्षा संस्कृति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई देगानीति 2027 तक सम्पूर्ण भारत को 'जन-जन साक्षर' बनाने की दिशा में अग्रसर है, और जिन पांच केंद्रों में अभी प्रशिक्षण शुरू हुआ है, उनकी सफलता अन्य केंद्रों के लिए प्रेरणादायक साबित होगी जिसमें एम आर सी विनोद पटेल गुनौर, बी ये सी उमेश रैकवार, प्राचार्य एस के दुबेदी और सभी सीएसी और स्टाफ मौजूद रहा।

धरमपुर तहसील बनने से क्षेत्रवासियों को होगी सहूलियत- पूर्व मंत्री श्री सिंह

पन्ना विधायक ने प्रदेश के पहले अटल सुशासन भवन का किया लोकार्पण

पन्ना।

आम जनता के सहयोग एवं समर्थन से पन्ना विधानसभा में समस्त जनहितैषी विकास कार्य पूर्ण किए जाएंगे। इसके लिए हर स्तर पर समन्वय का कार्य भी होगा। जनप्रतिनिधि की हैसियत से जनकल्याण की मंशा के साथ विकास कार्यों की बदौलत अलग पहचान स्थापित करने का निरंतर प्रयास भी किया जाएगा। यह बात पूर्व मंत्री एवं विधायक पन्ना बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने बुधवार को अजयगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत धरमपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कही। इस मौके पर उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि धरमपुर ग्राम पंचायत के नवीन अटल सुशासन भवन का लोकार्पण किया। साथ ही ग्रामीणजनों को धरमपुर तहसील घोषित होने पर शुभकामनाएं भी दीं।

उल्लेखनीय है कि गत 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खजुराहो में केन बेतवा लिंक परियोजना के भूमिपूजन अवसर पर मध्य प्रदेश को एक हजार अटल सुशासन भवन की सौगात प्रदान की थी।

इस क्रम में पन्ना जिले को कुल 35 एवं अजयगढ़ विकासखंड को 7 सुशासन भवन की सौगात मिली। धरमपुर ग्राम पंचायत का नवीन अटल सुशासन भवन न सिर्फ पन्ना जिले का, बल्कि मध्य प्रदेश का पहला लोकार्पित भवन भी है। इसमें सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक के लिए पृथक कक्षों के अतिरिक्त बेहतर शौचालय, पेयजल सुविधा एवं विद्युत व्यवस्था सहित सभाकक्ष एवं पर्याप्त बाह्य एवं आंतरिक परिसर की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं के दृष्टिगत तथा सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के मकसद से भी सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

पूर्व मंत्री श्री सिंह ने कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच एवं उनकी टीम की अल्प समय में अटल सुशासन भवन का कार्य पूर्ण करने पर सराहना की। साथ ही जिला पंचायत सीईओ को इसकी निगरानी व्यवस्था के लिए भी धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि जनविश्वास से हर क्षेत्र में जनकल्याण के कार्य होंगे। विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पुल पुलियों के निर्माण सहित बेहतर आवागमन के लिए केन नदी पर 36 करोड़ रुपए का पुल भी स्वीकृत कराया गया है। हर सुदूरवर्ती ग्रामों तक विकास सुनिश्चित करने के लिए बेहतर कार्ययोजना पर निरंतर रूप से कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनआकांक्षा अनुरूप मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गत 29 मई को पन्ना प्रवास के दौरान धरमपुर को तहसील का दर्जा प्रदान किया गया। इससे अब लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए अजयगढ़ तक आवागमन नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा बृजपुर में महाविद्यालय की स्थापना, पन्ना में मेडिकल कॉलेज तथा अजयगढ़ में 100 बेड के सिविल अस्पताल की घोषणा भी की गई है।

पूर्व में जनता की मांग पर पहाड़ीखेरा में स्वास्थ्य केंद्र व विद्युत सब स्टेशन की मांग भी पूर्ण की गई। खोरा के नवीन शासकीय महाविद्यालय के स्वयं के भवन निर्माण के लिए भी बजट प्राप्त हुआ है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में बगैर भेदभाव के सभी विकास कार्यों को पूर्ण करने की दिशा में सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि रूंझ एवं मझगांय परियोजना पूर्ण होने से घर घर और खेत खेत पानी पहुंचेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा ग्राम पंचायत सरपंच एवं उनकी टीम के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष संतोष यादव सहित जिला पंचायत सदस्य दिनेश भुर्जी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसडीएम आलोक मार्को, जनपद पंचायत सीईओ सतीश नागवंशी, परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार भी उपस्थित रहे।

छोटे व्यापारियों को मिले करदाता की पहचान बढ़ेगा सम्मान और व्यापार, बढ़ेगा देश का राजस्व

सरल 'लघु जीएसटी योजना' लागू होने पर टैक्स कलेक्शन 1.5 गुना तक बढ़ सकता है

पन्ना।

देश के करोड़ों छोटे और मध्यम व्यापारी आज भी जीएसटी व्यवस्था के बाहर हैं। ये वे व्यापारी हैं जो वर्षों से मेहनत से व्यापार कर रहे हैं, किंतु न तो वे जीएसटी पंजीयन के दायरे में आते हैं और न ही उन्हें करदाता के रूप में पहचान मिलती है। नतीजतन, उन्हें सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर सम्मान नहीं मिल पाता, सरकारी आपूर्ति कार्यों में भाग नहीं ले सकते, बैंक से ऋण लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, और अपने व्यापार को बढ़ाने में भी बाधाएं आती हैं। आज भी लाखों ऐसे व्यापारी हैं जिनकी सालाना आय 10 लाख से कम है, फिर भी वे इसीलिए पंजीयन नहीं करवाते क्योंकि मौजूदा जीएसटी व्यवस्था उनके लिए जटिल, खर्चीली और डराने वाली है। सीए की फीस, मासिक-त्रैमासिक रिटर्न, तकनीकी जटिलताएं और निरीक्षण का भय कृ इन सबने छोटे व्यापारियों को जीएसटी से दूर रखा है। ऐसे में समय की मांग है कि भारत सरकार देशभर के छोटे व्यापारियों को करदाता के रूप में सम्मानपूर्वक जोड़ने के लिए 'लघु जीएसटी योजना' लागू करे, जो कि सरल, स्वघोषणा आधारित और बिना किसी दंड के हो।

कैसी हो यह योजना - 4 सरल स्लैब, सीधा कर

यदि सरकार एक स्वैच्छिक योजना बनाए जिसमें व्यापारी अपनी सालाना बिक्री की सीमा बताकर तयशुदा कर चुका दें, तो यह प्रणाली बेहद लोकप्रिय और लाभकारी सिद्ध हो सकती है। इसका प्रारूप कुछ इस प्रकार हो सकता हैरू

0 से 10 लाख तक की सालाना बिक्री वालों से केवल 1000 सालाना फिक्स टैक्स लिया जाए।

10 से 20 लाख तक वालों से 0.2: टैक्स (यानी 2000 से 4000 के बीच)

20 से 30 लाख तक वालों से 0.3: टैक्स

30 से 40 लाख तक वालों से 0.5: टैक्स लिया जाए।

इस योजना में व्यापारी को सिर्फ एक फॉर्म भरना हो, जिसमें आधार, मोबाइल नंबर और सालाना बिक्री का स्वयं द्वारा घोषित अनुमान हो। न मासिक रिटर्न, न कोई तकनीकी बाध्यता। जो व्यापारी इसे स्वीकार करें, उन्हें एक सरल करदाता पंजीयन नंबर दिया जाए, जिससे उन्हें सरकारी उपक्रमों में भागीदारी, लोन, बीमा और सम्मान की पात्रता मिले।

सरकार को मिलेगा हजारों करोड़ का अतिरिक्त राजस्व

वर्तमान में भारत सरकार का वार्षिक जीएसटी संग्रहण लगभग 20 लाख करोड़ है। फिर भी लगभग 6 से 8 करोड़ व्यापारी ऐसे हैं जो पूरी तरह कर व्यवस्था से बाहर हैं। यदि इन व्यापारियों में से मात्र 5 करोड़ व्यापारी भी इस योजना से जुड़ते हैं और औसतन 2000 सालाना टैक्स चुकाते हैं, तो सरकार को 10,000 करोड़ अतिरिक्त और सहज कर राजस्व प्राप्त हो सकता है। यही संख्या यदि उच्च स्लैब वालों के साथ जुड़ती है, तो यह आंकड़ा 15,000 से 25,000 करोड़ तक जा सकता है। इसके अलावा जो व्यापारी अब तक केवल नकद लेनदेन करते थे, वे जब पंजीकृत करदाता बनेंगे, तो डिजिटल भुगतान, जीएसटी बिल और आयकर रिटर्न की प्रक्रिया से जुड़ेंगे। इससे भारत की औपचारिक अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा।

व्यापारियों को मिलेंगे अनेक लाभ

इस योजना से न केवल सरकार को लाभ मिलेगा, बल्कि छोटे व्यापारी भी पहली बार सम्मानित करदाता बनकर आर्थिक रूप से सक्षम होंगे। उन्हें निम्न लाभ मिल सकते हैं। अपने पंजीयन से वे बैंक लोन, मुद्रा योजना, सरकारी योजनाओं और बीमा सेवाओं के पात्र बन सकेंगे। सरकारी विभागों को सामग्री बेच सकेंगे और ई-टेंडर में भाग ले सकेंगे। उन्हें आयकर रिटर्न दाखिल करने में आसानी होगी, जिससे उनकी सामाजिक पात्रता (जैसे छात्रवृत्ति, मकान योजना, ै प्रमाणपत्र) मजबूत होगी। व्यापार में पारदर्शिता आएगी, जिससे बिलिंग वैधता और उधारी वसूली में भी सुविधा होगी।

देश की अर्थव्यवस्था को भी होंगे व्यापक लाभ

लघु व्यापारियों की इस व्यापक भागीदारी से भारत की अर्थव्यवस्था अधिक औपचारिक, पारदर्शी और सशक्त होगी। इससे देश की टैक्स बेस का विस्तार होगा ब्लैक मनी और नकद आधारित व्यापार पर नियंत्रण होगा करोड़ों नए रोजगार सृजित होंगे, क्योंकि छोटे व्यापारी जब विकसित होंगे तो रोजगार बढ़ेगा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसटी) में वृद्धि होगी। अंतिम निष्कर्ष- करदाता बनें, सम्मान पाएँ, व्यापार बढ़ाएँ यह कोई कर माफी योजना नहीं, बल्कि ईमानदार व्यापारियों को करदाता का दर्जा देने की पहल है। आज भी अनेक व्यापारी इसलिए पंजीयन से बचते हैं क्योंकि वे डरते हैं या समझ नहीं पाते। परंतु यदि सरकार उनके सामने एक सरल, सम्मानजनक, और कर सहज योजना प्रस्तुत करे, तो वे पूरे उत्साह से राष्ट्रनिर्माण की भागीदारी करेंगे।

खबर संक्षेप

ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर में एक की मौत, दूसरा घायल

छतरपुर। गत रोज राज्य की सीमा पर एक ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। बताया गया है कि जुझारनगर थाना क्षेत्र के ज्योराहा गांव का निवासी रामचरन अहिरवार (28 वर्ष), पुत्र मैयादीन अहिरवार और चन्द्रभान कुशवाहा (32 वर्ष) मोटरसाइकिल से उत्तर प्रदेश के महोबा गए थे। अपने गांव लौटते समय मंगलवार देर शाम महोबा के समीप मध्यप्रदेश बॉर्डर पर उनकी मोटरसाइकिल की एक ई-रिक्शा से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को महोबा के अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए छतरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। दुर्भाग्यवश, रास्ते में रामचरन अहिरवार ने दम तोड़ दिया। चन्द्रभान कुशवाहा की हालत गंभीर बनी हुई है, और उनका इलाज छतरपुर जिला अस्पताल में चल रहा है। मृतक के रिश्तेदार प्रमोद अहिरवार ने बताया, रामचरन और चन्द्रभान काम के सिलसिले में महोबा गए थे।

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय हुआ हादसा, युवक की मौत

छतरपुर। छतरपुर रेलवे स्टेशन पर बुधवार रात एक दर्दनाक हादसे ने एक परिवार को झकझोर कर रख दिया। दरअसल यहां चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में बिजावर थाना क्षेत्र के बक्सोई गांव के एक व्यक्ति की जान चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बक्सोई निवासी शिव लाल अहिरवार (45 वर्ष) बुधवार रात करीब 10:30 से 11:00 बजे के बीच छतरपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के धीमे होने पर वह उतरने की कोशिश करने लगे। इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ा, और वह ट्रेन के नीचे आ गए। गंभीर रूप से घायल शिव लाल को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत नाजुक थी। गुरुवार सुबह 11 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई खरगा अहिरवार ने बताया, शिव लाल उत्तरप्रदेश के नैनी अपने समधी के साथ इलाज कराने गए थे। यहां से अपने घर लौटने के दौरान यह हादसा हो गया।

चोरी की बाइक बरामद, आरोपित को पकड़ा

कटनी। मोटर साइकिल चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही चौकी प्रभारी उ.नि. प्रियंका राजपूत के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार 9 जून को संजय दुबे निवासी ग्राम मतवारी ने चौकी में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 6 जून को मो.सा. क्रं. एम.पी. 21 एम.ई. 9164 से पीरबाबा हनुमान जी के मंदिर आया था। मंदिर के पास से मेरी मो.सा. को कोई अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 303(2) बी.एन.एस पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । दौरान विवेचना चोरी गई बाइक एवं आरोपी की तलाश की गई। कार्यवाही में स.उ.नि. शशिभूषण सिंह, आर. वीरेन्द्र सिंह सैनिक अक्षय पान्डेय की भूमिका रही।

तीन स्थलों पर 12 जून से 30 जुलाई तक रहेगा वन-वे

कटनी। शासन निर्देशों के परिपालन में नगर पालिक निगम कटनी क्षेत्रातर्गत विभिन्न स्थलों में सीवर लाईन विस्तार का कार्य प्रगतिरत है। नगर निगम कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर मार्ग पर सीवर लाईन विस्तार के कारण तीन स्थलों पर गुरूवार 12 जून से 30 जुलाई तक मार्ग परिवर्तित रहेगा।

राजस्व मंत्री ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही, तो वहीं कांग्रेस के पर्यवेक्षक एवं झारखंड के पूर्व मंत्री ने इसे अमानवीय मामला बताया

जिले में अतिवृष्टि और सूखा राहत राशि के वितरण में करोड़ों के घोटाले का खुलासा

छतरपुर। जिले में अतिवृष्टि और सूखा राहत राशि के वितरण में करोड़ों रुपये के घोटाले का खुलासा नियंत्रक एवं महालेखाकार (कैग) की रिपोर्ट ने किया, लेकिन प्रशासन ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। कैग की ऑडिट रिपोर्ट मध्यप्रदेश विधानसभा में रखी जा चुकी है, फिर भी दोषी कर्मचारी बिना किसी कार्रवाई के अपनी ड्यूटी पर तैनात हैं। बीते रोज जिले के प्रवास पर रहे भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है। मध्यप्रदेश के राजस्व मंत्री ने जहां एक ओर दोषियों पर सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के पर्यवेक्षक एवं झारखंड के पूर्व मंत्री ने इसे अमानवीय मामला बताया है।

कैग ने पकड़ी लाखों की गड़बड़ी, जिम्मेदार बेपरवाह

कैग की ऑडिट रिपोर्ट में छतरपुर की गौरिहार तहसील में अतिवृष्टि और सूखा राहत राशि में

लाखों रुपये की गड़बड़ी पकड़ी गई। यह जांच केवल सैंपल के तौर पर की गई थी, लेकिन सूत्रों का दावा है कि जिले की प्रत्येक तहसील में राहत राशि के वितरण में करोड़ों का घोटाला हुआ। पटवारियों ने अधिकारियों की मिलीभगत से राहत राशि को अपने चहेतों के खातों में स्थानांतरित करवाया और उसे हड़प लिया। आपदाग्रस्त किसानों को न तो राहत मिली और न ही न्याय। कैग ने दोषी कर्मचारियों के नाम सहित सबूत शासन को सौंपे, लेकिन छतरपुर प्रशासन ने इस मामले को दबाने का प्रयास किया।

छतरपुर तहसील में भी लाखों का गबन

सूत्रों के अनुसार, गौरिहार से कहीं अधिक भ्रष्टाचार छतरपुर तहसील की ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हुआ। वर्ष 2017-18 में अतिवृष्टि और 2019-20 में सूखा राहत राशि के दुरुपयोग की शिकायतें लगातार सामने आईं। छतरपुर तहसील के काशीपुरा, नंदगॉयखुर्द, खैरों, पापटा, लुंदवास, रमपुरा, पिपौराखुर्द, चौका, खडगांय, मातगुवां, ढालियनपुरा, गोंची, हिम्मतपुरा, छिरावल, मानपुरा, बिहारीगंज, नैगुवां, छापर, कुंवरपुरा, भडऩपुरा, बसाटा, पड़रिया, कदवां, धमौरा, सौंरा, मुवासी, टड़ेरा, हमा, मोरवा, मारगुवां, कलानी, निवारी, खामरी, हर्रई, खौंप सहित कई हल्कों में राहत राशि का गलत भुगतान हुआ। पटवारियों की जांच रिपोर्ट भी संदिग्ध पाई गई, जिसमें आपदाग्रस्त किसानों की जगह अन्य खाताधारकों को भुगतान किया गया।

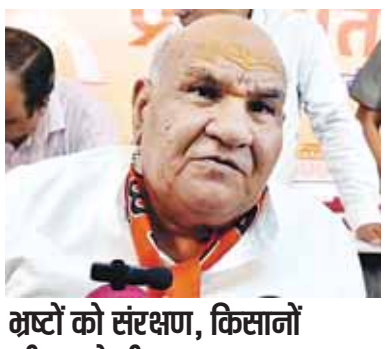

भ्रष्टों को संरक्षण, किसानों की अनदेखी

कैग की रिपोर्ट में कपटपूर्ण भुगतान के सबूतों के बावजूद छतरपुर प्रशासन ने दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। मध्यप्रदेश विधानसभा में सरकार ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का दावा किया था, लेकिन छतरपुर में दोषी कर्मचारी बिना किसी डर के ड्यूटी कर रहे हैं। इसके विपरीत, देवास कलेक्टर ने 12 पटवारियों और दो बाबुओं को बर्खास्त कर जेल भेजा, जबकि सीहोर और श्योपुर में भी दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हुए। छतरपुर में प्रशासन केवल धन वसूली कर मामले को रफा-दफा करने में जुटा है।

मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस की प्रतिक्रिया

एआईसीसी पर्यवेक्षक और झारखंड के पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने इस घोटाले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, जो लोग आपदा राहत राशि में भ्रष्टाचार करते हैं, उनके अंदर मानवता नहीं बची। यह मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य है। प्रशासन को निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, मध्यप्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वाला कोई भी व्यक्ति बख्शा नहीं जाएगा। जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

एनसीएल की दूधीचुआ परियोजना एवं सीडबल्यूएस इकाई ने सीएसआर के तहत स्थानीय परिक्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बांटी मच्छरदानी

850 से अधिक लोग हुए लाभान्वित

सिंगरौली। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की दूधीचुआ परियोजना एवं सीडबल्यूएस इकाई ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत स्थानीय परिक्षेत्र में बदलते मौसम के चलते मच्छरजनित रोगों से बचाव हेतु विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क मच्छरदानी का वितरण किया। इस दौरान दूधीचुआ परियोजना द्वारा वार्ड संख्या 13 एवं 19 में तथा सीडबल्यूएस द्वारा मुड़वानी बैगा बस्ती, जयंत, कार्यालय परिसर, सी. डब्ल्यू. एस, जयंत और ग्राम अजगूढ़, चितरंगी में मच्छरदानी का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त उपस्थित लोगों को मच्छरदानी के प्रयोग के लाभ एवं बारिश के मौसम में होने

वाली बीमारियों से बचाव के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर 850 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। वितरण कार्यक्रम में परियोजनाओं से स्टाफ़ अधिकारी (एचआर), नोडल अधिकारी (सीएसआर), स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों द्वारा सीएसआर के तहत समय-समय पर ऐसे अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है।

पुलिस ने पीड़ित पक्ष पर ही दर्ज कर दिया मामला

परिवार ने एसपी ऑफिस में आवेदन देकर मांगा न्याय

छतरपुर। तीन दिन पहले महाराजपुर में एक व्यक्ति और उसके परिजनों के साथ की गई मारपीट के मामले में स्थानीय पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई न किए जाने से नाराज परिवार ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।महाराजपुर के नजरबाग मोहल्ला निवासी नरेन्द्र चौरसिया ने बताया कि गत 9 जून को रात करीब 11 बजे वह अपनी दुकान पर था तभी भटीपुरा मोहल्ले के रहने वाले अरुण कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, भूरा कुशवाहा और सोनू कुशवाहा आए और पानी के पाउच खरीदे। पानी लेने के बाद उक्त लोग दुकान के बाहर बैठक

शराब पीने लगे, जिस पर नरेन्द्र ने उन्हें रोका और इसी बात से नाराज होकर उक्त आरोपियों ने गाली-गलौज तथा मारपीट शुरु कर दी। नरेन्द्र के मुताबिक उसके परिजन बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की, जिसके सीसीटीवी वीडियो भी उसके पास मौजूद हैं। नरेन्द्र का कहना है कि वह घटना दिनांक की रात को ही महाराजपुर थाना में शिकायत करने गया था, जहां पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध एनसीआर कर दी। इसके अगले दिन आरोपियों की रिपोर्ट पर पुलिस ने नरेन्द्र के भाई पर मामला दर्ज कर दिया। नरेन्द्र ने आवेदन देकर मामले की जांच कराए जाने और आरोपियों पर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास

छतरपुर। घर का ताला तोड़कर कीमती सामान व आभूषण चोरी करने के मामले में न्यायिक मजिस्टेऊट प्रथम श्रेणी न्यायालय (श्रीमती रानो बघेल) जिला छतरपुर के न्यायालय ने आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अभियोजन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी राजेश कुमार दुबे ने थाना सिविल लाईन जिला छतरपुर में उपस्थित होकर रिपोर्ट लेख करायी कि दिनांक 09.07.2017 को अपने किराये के मकान में ताला लगाकर अपने घर बमीठा गया था और जब वह दिनांक 12.07.17 को वापस घर लौटा तो देखा उसके घर का ताला टूटा हुआ था और घर का दरवाजा खुला हुआ था। जब उसने घर के अंदर जाकर देखा तो एक इस्तमाली एल.ई.डी. टी.व्ही. कीमती करीबन 5 हजार रूपये, दो नग सोने की अंगूठी 5-5 ग्राम कीमती 15 हजार रूपये, एक जोड़ी इस्तमाली पायल कीमती 500 रूपये, 10 इस्तमाली साड़ी कीमती 2 हजार रूपये, एक लहंगा कीमती एक हजार रूपये, को को अज्ञात चोर रात्रि में घर का ताला तोड़कर चोरी कर ले गया है। प्रकरण की समस्त विवेचना उपरांत अभियोग-पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया । अभियोजन की ओर से एडीपीओ आशीष रावत ने पैरवी करते हुये मामले के सभी सबूत एवं गबाह कोर्ट में पेश किये, विचारण उपरांत न्यायिक मजिस्टेऊट प्रथम श्रेणी न्यायालय (श्रीमती रानो बघेल) जिला छतरपुर के न्यायालय ने आरोपी सुदीप लखेरा को मादवि की धारा 457,380 में 01-01 वर्ष का सश्रम कारावास व पांच-पांच सौ रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

मामूली सी बात पर आपस में भिड़ गए परिवार के दो पक्ष

दो महिलाओं सहित तीन घायल, मामला दर्ज

छतरपुर। जिले के नौगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवपुर में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच मामूली सी बात पर हुआ विवाद इतना बढ़ा कि बात मारपीट तक जा पहुंची। एक पक्ष के 4 लोगों ने मिलकर दूसरे पक्ष की दो महिलाओं सहित तीन लोगों के साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट करने वालों ने हवाई फायरिंग भी की। पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर नौगांव पुलिस ने 4 लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरु की है। देवपुर निवासी 31 वर्षीय नाथूराम उर्फ नत्थू पाल ने बताया कि वह अपने नवनिर्मित मकान की तराई कर रहा था, वहीं पास में उसके चाचा प्यारे लाल पाल का भूसा रखा था जिस पर थोड़ा पानी गिर गया था। भूसा गीला होने की बात कहते हुए प्यारेलाल पाल ने विवाद शुरु कर दिया। नाथूराम के मुताबिक इसके बाद जब वह गांव में एक दुकान पर जा रहा था तभी उसके चचेरे भाई दिनेश पाल ने उसे अपनी बाईक से टक्कर मार दी। इतना ही नहीं जब वह घर पहुंचा तो प्यारेलाल पाल, दिनेश पाल, कली पाल और धर्मेन्द्र पाल ने घर में घुसकर मारपीट तथा हवाई फायरिंग भी की। नाथूराम ने बताया कि मारपीट में उसके अलावा उसकी पत्नी बसंती पाल और मां जमुनिया पाल घायल हुई हैं। नाथूराम की शिकायत पर नौगांव पुलिस ने प्यारेलाल पाल, दिनेश पाल, कली पाल और धर्मेन्द्र पाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं घायल नाथूराम, बसंती और जमुनिया का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

जन्मदिन एवं सालगिरह मनाने की सर्वोत्तम विधि है देवयज्ञः आचार्य सत्यम

आर्य वीरांगना शिविर के पंचम दिवस बालिकाओं का हुआ यजयोपवीत संस्कार

महाराजपुर। आर्य समाज महाराजपुर द्वारा आयोजित आर्य वीरांगना चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर के पंचम दिवस बालिकाओं का यज्ञोपवीत संस्कार कराया गया यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सत्यम अंतर्राष्ट्रीय विद्वान प्रवक्ता नई दिल्ली एवं बिहार से पुरोहित रविंद्र कुमार शास्त्री रहे। आचार्य सत्यम द्वारा सभी बालिकाओं को जनेऊ धारण कर शपथ दिलाई गई कि सभी बालिकाएं जीवन पर्यंत अपने माता-पिता गुरु जनों के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखेंगी। एवं उनका सदैव आदर करेंगी। शिविर में आर्य समाज के प्रधान उमेश कुमार आर्य की सालगिरह एवम उनकी पुत्री कुमारी तेजस्विनी चौरसिया का जन्म दिवस होने पर बृहत देवयज्ञ का अनुष्ठान हुआ जिसमे बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित हुए पुष्पवर्षा द्वारा इन्हें आशीर्वाद प्रदान किया गया। आचार्य सत्यम जी द्वारा बताया गया की जन्मदिन मनाने का सबसे उत्तम तरीका देवयज्ञ है किंतु बड़ी

दुख की बात है कि इतनी उत्तम विधि को छोड़कर हिंदू समाज पश्चात संस्कृति का अनुसरण कर रहा है और घरों में केक आदि काटकर मोममबत्तियां बूझाकर जन्मदिन मनाते हैं। हमारी आर्य संस्कृति में दीपक बुझना मृत्यु को प्राप्त करने का संकेत है इसलिए हमें जन्मदिन पर कभी भी मोमबत्ती नहीं बुझाना चाहिए। बालिका तेजस्वनी के 11वें जन्मदिन पर 11 दिए प्रज्वलित किए गए एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से आगंतुक मेहमान अतिथियों द्वारा बालिका को आशीर्वाद प्रदान किया गया। शिविर में सम्मिलित सभी आर्यवीरांगनाओ ने इस प्रकार जन्मदिन मनाने की विधि को पहली बार देखा और खूब सराहा। सभी ने संकल्प किया कि जब भी उनका जन्म दिन आएगा उसे देवयज्ञ के माध्यम से ही मनाया जाएगा। प्रधान शिक्षका का श्रीमती अभिलाषा आर्य ने बताया कि निश्चित रूप से शिविर की बालिकाएं शारीरिक एवम मानसिक रूप से सशक्त हुई है। बालिकाओं के उत्साह देखने लायक है इस भीषण गर्मी में भी किसी भी बच्ची का स्वास्थ्य खराब नहीं हुआ है। एवं सभी की कार्य करने की क्षमता भी बड़ी है बालिकाओं ने इन पांच दिवसों में जूडो कराटे, सर्वांग सुंदर व्यायाम, लाठी छुरी भाला, डंबुल, लझम आदि कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया है। शिविर का समापन 14 जून को सायं काल 5:00 से महर्षि दयानंद शिक्षा महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित होगा। शिविर के आयोजकों ने समापन समारोह में बच्चियों द्वारा सात दिनों में सीखी गई कलाओं के प्रदर्शन का आनंद लेने के लिए आम जनमानस से अनुरोध किया है।

जिले के किसानों को अब तक हुआ 361 करोड़ रूपये का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में समर्थन मूल्य पर इस वर्ष 1 लाख 39 हजार 381 मीट्रिक टन रिकॉर्ड गेहूँ समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है। जबकि बीते साल इसी अवधि में 1 लाख 18 हजार 35 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था। इस प्रकार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में पिछले साल की तुलना में 118 फीसदी से अधिक गेहूँ की खरीदी हुई है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने अधिकारियों को सभी किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान करानें और उपार्जित गेहूँ का तत्काल परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री यादव द्वारा उपार्जित गेहूँ का किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराने की जा रही निरंतर समीक्षा की वजह से अब तक

361.44 करोड़ रूपये का किसानों को भुगतान किया जा चुका है। शेष लंबित राशि का भी भुगतान किसानों को जल्दी ही सुनिश्चित कराने के निर्देश कलेक्टर श्री यादव ने दिए हैं। कलेक्टर ने समिति स्तरीय और गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों में लंबित गेहूँ के परिवहन कार्य में तेजी लाने अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिले में इस वर्ष 2425 रूपये प्रति क्विंटल और 175 रूपये बोनस राशि को मिलाकर किसानों से 2600 रूपये प्रति क्विंटल के मान से गेहूँ की खरीदी की गई। जबकि पिछले साल 2400 रूपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन किया गया था।

गेहूँ उपार्जन में बहोरीबंद तहसील रहा अव्वल

गेहूँ खरीदी के मामले में बहोरीबंद तहसील अग्रणी रहा। यहां इस वर्ष 5115 कृषकों से 34 हजार 523 मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित किया गया। गेहूँ उपार्जन के मामले में ढीमरखेड़ा तहसील दूसरे स्थान पर रहा। जहां 4767 किसानों से 28 हजार 787 मीट्रिक टन गेहूँ खरीदा गया। वहीं तीसरे स्थान पर जिले की विजयराघवगढ़ तहसील रही। जहां 2884 किसानों ने 20 हजार 699 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की।

इसी प्रकार स्लीमनाबाद तहसील गेहूँ खरीदी के मामले में जिले में चौथे स्थान पर रहा। जहां 2002 किसानों ने 15 हजार 14 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की है। इसके अलावा रीठी तहसील जिले में पांचवे स्थान पर रहा। जहां के 1819 किसानों ने 11 हजार 148 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की। वहीं कटनी ग्रामीण एवं कटनी नगर संयुक्त रूप से छठवें स्थान पर रहा। जहां 1500 किसानों ने 10 हजार 792 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की। जबकि बड़वारा तहसील सातवें पायदान पर रही। जहां इस वर्ष 1520 किसानों ने 9 हजार 239 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की। जबकि बरही तहसील के 1554 किसानों ने 9 हजार 178 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री किया है। इस प्रकार बरही गेहूँ उपार्जन के मामले में जिले में अंतिम पायदान पर रहा।

खबर संक्षेप

बेटे के शव के लिए तीन दिन से कलेक्ट्रेट का चक्कर लगा रहा परिवार

रीवा। रीवा कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर बीते तीन दिनों से एक परिवार इंसाफ की आस में बैठा है। चेहरे पर थकान, आंखों में आंसू और हाथों में बेटे की तस्वीर थामे पिता न्याय की गुहार लगा रहा है। परिजनों का कहना है कि जिस शव को पुलिस ने लावारिस बताकर अंतिम संस्कार कर दिया, वह कोई और नहीं, बल्कि उनका बेटा रोहित साकेत था। सीधी जिले के ग्राम गोपालपुर निवासी ललवा साकेत का कहना है कि उनका 22 वर्षीय बेटा रोहित 25 तारीख को घर से निकला था और फिर कभी नहीं लौटा। परिजनों ने रामपुर नैकिन थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। कुछ दिन बाद सूचना मिली कि रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में एक अज्ञात शव मिला है, जो एक बाइक के साथ बरामद हुआ था। गुढ़ थाने पहुंचे परिजनों ने घटनास्थल से मिली बाइक को देखकर उसे रोहित की बाइक बताया। बाद में अस्पताल की मर्चुरी में दिखाए गए शव की तस्वीर से उन्होंने रोहित की पहचान की। लेकिन इस बीच पुलिस और प्रशासन ने शव को अज्ञात बताकर रीवा के बदरिया मुक्तिधाम में दफना दिया। परिजन चाहते हैं कि उन्हें रोहित का शव सौंपा जाए ताकि अंतिम संस्कार रीति-रिवाज से किया जा सके। लेकिन उनकी मांग पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। बीते तीन दिनों से पिता ललवा साकेत, रोहित की मां, बहनें और छोटे बच्चे कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर बैठे हैं, लेकिन अफसरों से उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। पिता का कहना है, हम बस अपने बेटे को अंतिम विदाई देना चाहते हैं। हमने उसकी पहचान कर ली है, फिर भी कोई अधिकारी हमारी नहीं सुन रहा। रो-रो कर हमारी आंखें सूख गईं, लेकिन इंसाफ नहीं मिला।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को दी गई उन्नत खेती की जानकारी

रीवा। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतिम दिन रीवा और मऊगंज जिलों में शिविर लगाए गए। इन शिविरों में कृषि वैज्ञानिक तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछलीपालन विभाग के अधिकारियों ने किसानों को खेती में और उससे जुड़े अन्य व्यवसायों को बेहतर करने की जानकारी दी। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि रीवा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पुरैनी में आयोजित शिविर में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे कृषि वैज्ञानिकों डॉ किंजल्क सिंह तथा डॉ स्मिता सिंह ने किसानों को बीजों के उपचार, नरवाई प्रबंधन, खाद के संतुलित उपयोग तथा फसलों में कीट प्रबंधन की जानकारी दी। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अंजली सिंह ने पशुओं के टीकाकरण तथा विभिन्न रोगों से उपचार की जानकारी दी। उन्होंने विभाग की डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना एवं आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना का लाभ लेकर पशुपालन की सलाह दी।

गांधी स्मृति अस्पताल में हुई घटना के तीसरे दिन सामने आई पीड़िता, पूरे मामले में हुआ खुलासा

वार्ड ब्वाय ने नशीली दवा खिलाकर धमकी देकर, घर में ले जाकर किया था दुष्कर्म

रीवा। संजय गांधी अस्पताल के गांधी स्मृति चिकित्सालय के नाक कान गला रोग विभाग में अपनी मां का इलाज करवा रही किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में बुधवार को बड़ा खुलासा हुआ। पीड़िता ने बयान में अपने साथ बलात्कार की जानकारी दी है,वही घटित घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बुधवार को मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि लडक़ी की शिकायत पर दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ का अपराध दर्ज मामले को विवेचना में लिया गया है।

इस प्रकरण में वार्ड बॉय महेन्द्र का नाम आया है जिसको आरोपी बनाया गया है। लडक़ी का मेडिकल चेकअप कराया गया है, उसके शरीर में कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई है। दो अज्ञात सहित अन्य की संलिप्तता की पतासाजी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पहले लडक़ी और उसके परिजन शिकायत दर्ज कराने के लिए तैयार नहीं थे। उनसे हमारे अधिकारियों द्वारा संपर्क भी किया गया था। अपने भाई और मां के साथ उपस्थित होकर लडक़ी द्वारा गोविन्दगढ़ थाना में दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर दो अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 115(2), 74, 3(५) बीएनएस व ७/८ पाक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। गौर करने वाली बात यह है कि पुलिस द्वारा जिस प्रकरण को छेड़छाड़ होने की जानकारी मीडिया को दी, उसके कुछ देर बाद ही नाबालिग किशोरी, उसकी मां तथा उसके भाई ने चौंकाने वाली जानकारी मीडिया को दी। बता दे पीड़िता का न्यायालय में भी कथन हुआ है। न्यायालय से बाहर निकलने पर पीड़िता सहित उनके परिजनों से मीडिया ने सच्चाई जानने का प्रयास किया तो लडक़ी ने बताया कि उसके साथ दुष्कर्म की घटना हुई है। उसने अपने बयान में महेन्द्र, हर्ष, मनीष, विकास और सुरेन्द्र आदि के नाम लेते हुए बताया कि ये लोग घटना में शामिल थे। किशोरी के मुताबिक उसने अस्पताल के भर्ती रजिस्टर में अपना नम्बर लिखवाया था जिसे वार्ड व्याय महेन्द्र तिवारी ने ले लिया और उसकी फ्रेंड बनाकर उसको व्हाट्सएप में मैसेज करने लगा, जब उसने नंबर सेव कर लिया, इसके बाद आरोपी महेंद्र उसकी स्टेटस से फोटो निकालकर उसने एडिट किया और उसके आधार पर उसको ब्लैकमेल कर रहा था। वह उससे मिलने के लिए बुला रहा था। जब उसने मना किया तो फोटो वायरल करने की धमकी देने लगा। उस दिन उसका गला दर्द कर रहा था जिस पर उसने दो गोलियां उसको दी थी जिसको खाने के बाद काफी नशा हुआ था। रात को एक बजे उसने मिलने के लिए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के पास बुलाया और न आने पर फोटो बायरल करने की धमकी दी थी। उसके दवाव में वह वहां गई थी। आरोपी उसका मुंह दबाकर जबरदस्ती अपने साथ ले जाने लगा। तभी किसी का अस्पताल से आरोपी महेंद्र के पास फोन आया कि अस्पताल से एक लड़की लापता है जिस पर उसने फोन काट दिया। मुंह दबाकर आरोपी अपने कमरे में ले गए जहां उसके साथ बलात्कार किया है। उसके तीन अन्य साथी भी वहां पर थे। फिर उसको मंदिर के पास छोड़कर फरार हो गए, जिसके बाद अस्पताल में उसकी ब्लड जांच की गई, बीपी नापा गया और बॉटल चढ़ाई गई। उसने पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी थी लेकिन पुलिस ने दूसरी कार्रवाई की है,पुलिस कार्यवाही के प्रति असंतोष जाहिर करते हुए बताया कि न्यायालय को उसने सच बता दिया है।

पीड़िता के आरोपों से मेल नहीं खा रही पुलिसिया थ्योरी

एसपी ने बुधवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वारदात से इनकार किया। एसपी ने बताया कि पीड़िता का बयान गोपनीय रूप से दर्ज किया गया है। उनके अनुसार, किशोरी ने बताया कि आरोपी महेंद्र तिवारी उसे अस्पताल के पास बुलाकर अपने साथ जबरन घर ले जाना चाहता था, लेकिन उसने मना कर दिया। लौटते समय रास्ते में दो अज्ञात युवकों ने छेड़छाड़ की। हालांकि पुलिस द्वारा प्रस्तुत कहानी के पीड़िता का बयान ने पूरे मामले पोल खोल दी है, वही बता दे अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे कथित तौर पर खराब हैं, जिससे फुटेज की पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा घटना के किसी बड़े पहलू से इनकार करना खुद में संदेह पैदा करता है।शोध का विषय यह है कि क्या एसपी को थाना प्रभारी ने गैंगरेप जैसे संगीन अपराध पर गुमराह किया या फिर एसपी राजनैतिक दबाव में किशोरी के साथ हुए गैंगरेप पर पत्रकारों के सामने किशोरी के साथ छेड़छाड़ होनी की लंबी-चौड़ी कहानी सुनाई, अब देखना यह होगा कि आला अधिकारी इस प्रकरण पर क्या रुख अपनाते हैं और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं। वही सवाल सुलग उठे हैं कि आखिरकार पुलिस सामूहिक दुष्कर्म के मामले को छेड़छाड़ में क्यों समेटना चाहती है? पुलिस किसके दबाव में है और किसे बचाने का प्रयास कर रही है? घटना की सत्यता पर पर्दादारी क्यों बनाए रखना चाहती है? अस्पताल प्रबंधन इतनी बड़ी घटना को झुठलाने में क्यों लगा हुआ है?

अस्पताल प्रबंधन और पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

परिजनों ने की कड़ी कार्रवाई की मांगगैंगरेप जिसे पुलिस ने महज छेड़छाड़ का आरोप बताकर इतिश्री पाने की कोशिश की है, इस मामले में पीड़िता के भाई ने अस्पताल प्रबंधन को भी कटघरे में खड़ा करते हुए बताया कि उनका पेशेंट एक माह से ईएनटी वार्ड में एडमिट था और संबंधित डॉक्टर आपरेशन के लिए टालते रहे हैं। यदि डॉक्टर टालमटोल न करते तो शायद ही उक्त घटना कारित होती? भाई ने बताया कि पुलिस द्वारा लगातार दबाव बनाया गया और अभी भी दबाव बनाया जा रहा है। मीडिया में भी नहीं जाने का मशविरा दिया गया था। कथन के नाम पर पीड़िता सहित परिजनों को पुलिस कभी इधर तो कभी उधर ले जा रही थी, पूछने पर संबंधित थाने से संपर्क करने को कहा जा रहा था। पीड़िता के भाई ने कहा कि उसकी नाबालिग बहन के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ है और हम चाहते हैं कि आरोपियों का घर गिराया जाए और उनको फांसी की सजा हो।

प्रबंधन ने 36 घंटे तक छुपाए रखा मामला

संजय गांधी अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल में हुई एक गंभीर वारदात को न सिर्फ प्री-प्लानिंग के तहत अंजाम दिया गया, बल्कि हैरानी की बात यह है कि अस्पताल प्रबंधन ने पूरे मामले को 36 घंटे तक छुपाकर रखा। वारदात में अस्पताल के ही आउटसोर्स कर्मचारी शामिल थे जिसने पूरी योजना के साथ घटना को अंजाम दिया। इस मामले में अस्पताल के एक सुरक्षा कर्मी की संलिप्तता भी सामने आ रही है, जिससे अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियाँ उजागर हुई हैं। गौरतलब है कि अस्पताल प्रबंधन हर साल सुरक्षा व्यवस्था पर करोड़ों रुपये खर्च करता है। इसके बावजूद सुरक्षा में ऐसी चूक न केवल हैरान करती है, बल्कि आम मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंता भी बढ़ा देती है। अस्पताल प्रबंधक मामले को दबाने की कोशिश की और पूरी घटना को सार्वजनिक करने से बचता रहा। जब मीडिया द्वारा सवाल उठाए गए, तब जाकर जानकारी साझा की गई। फिलहाल इस मामले में प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे जनाक्रोश भी बढ़ता जा रहा है।

घरों में नल कनेक्शन का लक्ष्य 15 अगस्त तक पूरा करें - प्रमुख सचिव

कलेक्टर घरों में नल कनेक्शन की हर सप्ताह समीक्षा करें

रीवा। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री पी नरहरि ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा तथा शहडोल संभाग में एकल नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने कहा कि सभी एकल नलजल योजनाएं एक माह में पूरी कराकर उन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कराएं। नलजल योजनाओं से घरों में नल कनेक्शन का शत-प्रतिशत लक्ष्य 15 अगस्त तक पूरा करें। इसके लिए कार्यपालन यंत्री मंथवार लक्ष्यपूर्ति की कार्ययोजना बनाकर उसके अनुरूप समस्त कार्यवाहियाँ करें। सभी कलेक्टर नलजल योजनाओं की प्रगति तथा नल कनेक्शन की हर सप्ताह समीक्षा करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नलजल योजनाओं का कार्य पूरा कराने और घरों में नल कनेक्शन के लिए ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा अन्य विभागों के उपयंत्री तैनात करें। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तय समय सीमा में पूरा कराएं। बैठक में प्रमुख सचिव ने कहा कि शहडोल और रीवा जिलों में घरों में नल कनेक्शन की सर्वाधिक संख्या शेष है। संबंधित कार्यपालन यंत्री इसके लिए विशष प्रयास करें। निर्माण एजेंसियों के आवश्यक होने पर तत्काल टेण्डर जारी करें। निर्माण एजेंसियों के पास सामग्री की उपलब्धता तथा संसाधनों का भी आकलन कर लें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में घरों में कार्यशील नल कनेक्शन तय समय सीमा में पूरे कर दिए जाएंगे। कार्य की प्रगति की मैं स्वयं हर सप्ताह समीक्षा करूंगा। लापरवाही बरतने वाले संविदाकारों और अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अधीक्षण यंत्री महेन्द्र सिंह, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री रीवा और मऊगंज संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री डीएल कनेल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा-सीधी हाईवे होगा फोर लेन, 21 गांवों में जमीन बेचने-खरीदने पर रोक

रीवा। रीवा-सीधी हाईवे का चौड़ीकरण किया जाएगा। ये टू लेन हाइवे फोर लेन होगा। पूर्व में रीवा के सिलपरा के पास से नया बायपास बनाते हुए नई सड़क प्रस्तावित की गई थी। जिस पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव के सामने स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा था। जहां से प्रस्तावित रीवा बायपास को हटाकर पूर्व की सड़क के ही चौड़ीकरण किए जाने की स्वीकृति दी गई है। रीवा-सीधी के बीच की सड़क को चौड़ा कर चार लेन का बनाया जाएगा। इसमें कुछ स्थानों पर एक तरफ नई सड़क प्रस्तावित है तो कई जगहों पर दोनों ओर बराबर भूमि अधिग्रहित करने की तैयारी है। इस मार्ग को फोरलेन करने की मांग लंबे समय से उठ रही है। इस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 10 दिसंबर 2022 को बदबार में आयोजित मोहनिया घाटी में बने ट्विन ट्यूब टनल के लोकार्पण के अवसर पर घोषणा की थी।बॉक्स इन गांवों में जमीन खरीदी-बिक्री रुकी रीवा जिले में हाइवे के चौड़ीकरण में प्रभावित गुढ़ तहसील के अंतरगत ग्राम खड्डा, उमरी (अवधेशपुर), रीठी, महसांव, पुरास, बड़ागांव, भीटी, गेरुई, पकरा, बंजारी, मुडिय़ा, नारायणपुर, गांजर, पड़ेरुआ, अमिलिहा, बरिगवां, भटिगवां, गुढ़वा, बदवार, बरसैतादेश, हटवा आदि की भूमि का क्रय-विक्रय, बटांकन एवं डायवर्जन की प्रक्रिया पर छह महीने पहले से रोक लगी है। बता दें कि पहले सीधी मार्ग के लिए नया बायपास सिलपरा से प्रस्तावित किया गया था। यह खाम्हा में हाइवे में मिलता लेकिन अब इस प्रस्तावित को स्वीकृति नहीं मिली है।बॉक्स 16 किलोमीटर पहले से तैयार है फोरलेन रीवा-सीधी मार्ग में पहले से 16 किलोमीटर की सड़क फोरलेन बनी है। जिसमें 2.28 किलोमीटर मोहनिया टनल की लंबाई भी शामिल है। मोहनिया टनल से लेकर चुरहट के पास सर्रा तक यह मार्ग फोरलेन है। वहां से सीधी के लिए फोरलेन निर्माण कराया जाएगा। सोन नदी का पुल भी अभी दो लेन का है। इसकी चौड़ाई बढ़ाने के लिए और दो लेन का पुल बनाना होगा।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार पिता-पुत्र को मारी टक्कर, पिता की मौके पर मौत; बेटा की हालत गंभीर

रीवा।

तेज रफ्तार और लापरवाही एक बार फिर इंसानी जान पर भारी पड़ी। बीती रात सतना जिले से लौट रहे एक बाइक सवार पिता-पुत्र को कार ने टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल युवक को रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मृतक रामशरण सिंह अपने बेटे कमलेंद्र सिंह के साथ सतना जिले के ऐरा गांव में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। दोनों बाइक से रात करीब साढ़े आठ बजे अपने गांव बिहरा (जिला रीवा) की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिता-पुत्र दोनों सड़क पर जा गिरे। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन जब तक मदद पहुंचती, तब तक रामशरण सिंह की जान जा चुकी थी। स्थानीय लोगों की मानें तो हादसे के वक्त सड़क पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और कार की रफ्तार काफी तेज थी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं घायल कमलेंद्र सिंह को तत्काल इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल, रीवा रेफर किया गया। पुलिस ने मौके से कार को जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच में लापरवाही और तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है। फिलहाल अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

युवक की आत्महत्या ने उठाए सवाल, परिजनों ने पुलिस कर्मी और बहू पर लगाए संगीन आरोप

बैकुंठपुर थाना क्षेत्र की घटना, कार्रवाई की मांग को लेकर परिजन थाने पहुंचे

रीवा। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम करारी में बुधवार को एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों ने इस घटना को लेकर स्थानीय पुलिस पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि बैकुंठपुर थाने में पदस्थ एक आरक्षक और मृतक की पत्नी की नजदीकियों के चलते युवक लगातार मानसिक प्रताड़ना झेल रहा था, जो उसकी मौत की वजह बनी। मृतक की पहचान 28 वर्षीय रजनीश पाण्डेय के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि रजनीश की वैवाहिक जिंदगी लंबे समय से तनावपूर्ण चल रही थी। आरोप है कि उसकी पत्नी का संबंध एक आरक्षक से था, जिससे रजनीश मानसिक रूप से टूट चुका था। पीड़ित पिता संतोष पाण्डेय ने बताया कि कुछ दिन पहले रजनीश का मोबाइल फोन जबरन छीन लिया गया था और उसे लगातार धमकियां दी जा रही थीं। इन सब हालातों ने उसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर दिया,घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद गुस्साए परिजन सीधे बैकुंठपुर थाने पहुंचे और आरोपी आरक्षक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करने लगे। थाने परिसर में लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण बन गया। मौके पर पहुंचे सिरमौर एसडीओपी उमेश प्रजापति ने परिजनों को शांत करते हुए निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लिया जा रहा है और हर पहलू की जांच की जाएगी। आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस अधीक्षक मऊगंज के नेतृत्व में अपराध गोष्ठी का हुआ आयोजन

मऊगंज। पुलिस अधीक्षक मऊगंज दिलीप सोनी के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह की उपस्थिति में जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारी की क्राइम मीटिंग आयोजित की गई बैठक में नशे के विरुद्ध विशेष अभियान इलेक्ट्रॉनिक साइबर एसीएसटी राहत प्रकरण महिला संबंधी अपराध राहगीर योजना लंबित अपराध एवं लंबित मर्ग की विस्तृत समीक्षा की गई पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए असामाजिक तत्वों पर अधिक से अधिक प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करना नई हिस्ट्रीशीटर एवं निगरानी फाइल तैयार करना जिला बदर तैयार करना एवं रासुका की कार्यवाही करना साथ ही अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का सही एवं प्रभावी उपयोग कर अपराधों की जांच हेतु जांच तेज करने हेतु आवश्यक निर्देश दिशा निर्देश दिए गए पुलिस अधीक्षक ने समस्त थाना प्रभारी को एससीएसटी प्रकरण को शीघ्र निस्तारित करने एवं प्रकरणों में लाभार्थियों को न्याय और सुरक्षा सुरक्षित करने हेतु निर्देशित किया महिला संबंधी अपराधों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए महिलाओं की सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान देने के लिए कहा पुलिस अधीक्षक ने राहगीर योजना के तहत सड़क हादसा में मदद करने वाले आम नागरिकों को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष अभियान चलाने के लिए निर्देश दिए गए साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग का संदेश दिया एंव लगातार निगरानी एवं छापेमारी करने और लंबित अपराधों एवं मर्ग की जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए पुलिस अधीक्षक ने समस्त अधिकारियों को जिले में कानून व्यवस्था मजबूत बनाए रखने हेतु योजनाओं के लाभ जन-जन तक पहुंचाने के साथ सतर्कता बरतने के लिए भी निर्देशित किया।

स्कूल बसों में बच्चों की सुरक्षा के समुचित प्रबंध करें - कलेक्टर

स्कूल बसों में शासन के निर्देशों के अनुसार सुरक्षा प्रबंध करना अनिवार्य

मऊगंज। स्कूल की बसों में बच्चों सुरक्षित आवागमन के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में शासन द्वारा विस्तृत निर्देश जारी किए गए थे। इन निर्देशों में बस ऑपरेटर, स्कूल प्रबंधन, शिक्षा विभाग, बच्चों के अभिभावक एवं पुलिस तथा परिवहन विभाग की भूमिका का निर्धारण किया गया है। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने कहा है कि सभी स्कूल बस संचालक तथा स्कूलों के प्राचार्य बच्चों के आवागमन के लिए उपयोग की जाने वाली बसों में सुरक्षा के समुचित प्रबंध करें। इस संबंध में शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का कठोरता से पालन सुनिश्चित करें। जिला परिवहन अधिकारी स्कूल बसों की नियमित जाँच करके निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। कलेक्टर ने बताया है कि शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार स्कूल बस पीले रंग में हों। बसों के आगे और पीछे बड़े व स्वच्छ अक्षरों में स्कूल बस लिखा होना चाहिए। यदि स्कूल बस किराए की है तो उस पर आगे एवं पीछे विद्यालय सेवा में (आन स्कूल ड्यूटी) लिखा जाए। स्कूल द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली बस में निर्धारित सीटों से अधिक संख्या में बच्चे नहीं बैठें। प्रत्येक बस में अनिवार्य रूप से प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था रहे। बस की खिड़कियों में ग्रिल अनिवार्य रूप से लगाई जाए। प्रत्येक बस में अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था रहे। बस में स्कूल का नाम और टेलीफोन नंबर बड़े अक्षरों में अवश्य लिखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि जारी निर्देशों के अनुसार स्कूल बस चलाने वाले

चालक के पास भारी वाहन चलाने का न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। उसके द्वारा पूर्व में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन न किया गया हो। बस में वाहन चालक के अतिरिक्त बच्चों की सहायता के लिए अन्य वयस्क व्यक्ति तैनात रहे। यदि बस में केवल छात्राएं यात्रा कर रही हैं तो सहायिका की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। बच्चों के बैग रखने के लिए सीट के नीचे जगह होनी चाहिए। बसों में नियमानुसार दो दरवाजे तथा आपातकालीन खिड़की लगी हो। बस में गति नियंत्रक अर्थात स्पीड गवर्नर 40 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड पर निर्धारित किया हुआ होना चाहिए। बसों के दरवाजे पर लगे लॉक की स्थिति ठीक होनी चाहिए। स्कूल बसों में जीपीएस सिस्टम एवं सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य है। स्कूल बस में बीएलटीडी डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाया जाना अनिवार्य है। स्कूल बस के चालक का हर 6 माह में नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। किसी भी शिक्षक अथवा पालक को बस में सुरक्षा मुआयना करने की दृष्टि से जाने की सुविधा होनी चाहिए। जारी निर्देशों के अनुसार स्कूल प्रबंधन द्वारा स्कूल के स्वामित्व की अथवा अनुबंधित स्कूली वाहनों में मापदण्डों की पूर्ति आवश्यक है। स्कूल प्रबंधन द्वारा ट्रांसपोर्ट मैनेजर की नियुक्ति की जानी चाहिए जो बच्चों के सुरक्षित परिवहन के प्रबंधन को सुनिश्चित करें। स्कूल प्रबंधन स्कूल आने वाले विद्यार्थियों के स्कूल वाहन अथवा अन्य वाहन से आने का पूरा विवरण रखे। स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों को स्कूल लाने ले जाने वाले समस्त वाहनों के आवश्यक दस्तावेजों जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पुलिस वेरीफिकेशन, वाहन का रजिस्ट्रेशन, फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, प्रमाण पत्र का एक सेट आवश्यक रूप से रखें। वाहनों के निरीक्षण के दौरान इसे प्रस्तुत करें। स्कूली वाहन में एलपीजी से संचालित वाहन का प्रयोग सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक है। अतः स्कूल प्रबंधन द्वारा यह निगरानी रखी जाए कि स्कूल का कोई भी छात्र एलपीजी संचालित वाहन से स्कूल न जाए और ऐसा होने पर उसका दायित्व होगा कि इस संबंध में तत्काल पुलिस प्रशासन एवं परिवहन विभाग को सूचित किया जाए। ऐसा न करने पर दुर्घना की स्थिति में संपूर्ण जवाबदेही स्कूल प्रबंधन की होगी। स्कूल प्रबंधन यह सुनिश्चित करे कि प्रत्येक वाहन से निर्धारित सीट संख्या अनुसार बच्चों का परिवहन किया जाए। स्कूल प्रबंधन यह सुनिश्चित करे कि बालकों को स्कूल परिसर के किसी सुरक्षित स्थान पर ही सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में उतारा चढ़ाया जाए। प्रत्येक स्कूल में स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशों के क्रम में शाला परिवहन समन्वय समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। छात्रों के परिवहन में उपयोग में लाए जाने वाले वाहन जारी गाइडलाइन का पालन अनिवार्य रूप से कर रहे है इस बात को सुनिश्चित करने का दायित्व स्कूल प्रबंधन का होगा। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही पर स्कूल प्रबंधन पर वैधानिक कार्यवाही की जा जायेगी।